तापमान

अधिकतम 27.0 डिग्री

न्यूनतम 09.0 डिग्री

हरिभूमि

वनांचल भूमि

रायपुर, गुरुवार 8 जनवरी 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

10 अबूझमाड़ के दूरस्थ अंचलों तक पहुंच रही योजनाएं...

11 शिक्षा गुणवत्ता और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने ...

खबर संक्षेप

ग्राम शिवनगुड़ा में 60 बोरा अवैध धान जब्त

जगदलपुर। कृषि उपज मंडी जगदलपुर में अवैध धान का परिवहन रोकने के लिए टीम गठित की गई है। टीम सूचना पर वाहनों को रोककर तलाशी कर रहे हैं। इसी दौरान बुधवार को कृषि उपज मंडी सचिव जितेन्द्र दुबे के नेतृत्व में निरीक्षक वीरेन्द्र दिल्लीवार की टीम द्वारा धान 60 बोरा को छोटे व्यापारी ने ग्राम शिवनगुड़ा में क्षमता से अधिक धान खरीदी करते पकड़ा। इससे मंडी अधिनियम अनुसार धान को जब्त की कार्रवाई की गई।

उत्सव की तरह मनाया गया आवास और रोजगार दिवस

जगदलपुर। जिले की ग्राम पंचायतों में बुधवार को शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए एक अनूठी पहल देखने को मिली। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के नए प्रावधानों से अवगत कराने और प्रधानमंत्री आवास योजना को गति देने के उद्देश्य से जिले भर में आवास दिवस और रोजगार दिवस का आयोजन एक महोत्सव के रूप में किया गया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण तकनीक और पारदर्शिता का मेल रहा। ग्रामीणों को वीबी जी राम जी योजना के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेष रूप से मनरेगा के कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता लाने के लिए ग्राम पंचायतों में लगाए गए क्यूआर कोड के प्रति ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को प्रशिक्षित किया कि कैसे वे अपने मोबाइल से एक स्कैन कर पंचायत में चल रहे कार्यों, व्यय और प्रगति की सटीक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बस्तर में कंपकंपाती ठंड, न्यूनतम तापमान 8 डिग्री तक लुढ़क गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

उत्तर दिशा से आ रही ठंडी एवं शुष्क हवाओं के असर से बस्तर अंचल में ठंड का प्रभाव लगातार गहराता जा रहा है। भले ही बस्तर में औपचारिक रूप से शीतलहर की घोषणा नहीं की गई हो। न्यूनतम तापमान के 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सुबह-शाम की ठिठुरन ने लोगों को गर्म कपड़ों में लपेटने पर मजबूर कर दिया है, वहीं ठंड के कारण दिनचर्या भी बदली-सी नजर आ रही है। ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर बनी हुई है। नदी तटवर्ती गांवों तथा घने जंगलों से लगे इलाकों में न्यूनतम तापमान कहीं-कहीं 6 से 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इन क्षेत्रों में ठंड का प्रकोप इतना अधिक है कि ग्रामीणों के लिए अलाव के बिना रात गुजारना मुश्किल हो गया है। खेत-खलिहानों में काम करने वाले किसान और मजदूर भी ठंड से बचाव के लिए अतिरिक्त इंतजाम करने को मजबूर हैं। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है,वहीं उत्तरी एवं मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो इलाकों में शीतलहर जैसी स्थिति बनने के आसार जताए गए हैं। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज किया गया है,जबकि सर्वाधिक अधिकतम तापमान जगदलपुर में रिकॉर्ड हुआ।

शाम ढलते ही सूने पड़ने लगे बाजार, अलाव बना ग्रामीणों का सहारा

बाजारों में रौनक फीकी

संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बुधवार को न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस रहा। ठंड का असर इतना तीखा है कि शाम होते ही शहर के बाजारों में रौनक फीकी पड़ने लगी है। सामान्य दिनों में देर रात तक गुलजार रहने वाले चौक-चौराहों पर अब सन्नाटा पसरने लगा है और लोग आवश्यक काम निपटाकर जल्दी घरों में दुबकना बेहतर समझ रहे हैं।

ठंड का बढ़ रहा असर जनजीवन पर सीधा प्रभाव

बस्तर अंचल में बढ़ती ठंड के चलते दिन की शुरुआत देर से हो रही है और शाम ढलते ही बाजारों में चहल-पहल कम हो जा रही है। ग्रामीण इलाकों में अलाव सामूहिक जीवन का केंद्र बन गया है। नदी तटों पर बसे गांवों में ठंड सबसे ज्यादा महसूस की जा रही है। स्कूल जाने वाले बच्चे और कामकाजी वर्ग अतिरिक्त ऊनी कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। वहीं आने वाले दिनों में ठंड के और तीखे होने की आशंका से लोग पहले से ही सतर्क नजर आ रहे हैं।

पशु बाजारों से लेकर रेल पटरियों तक गोवंश असुरक्षित, प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

बस्तर में गोवंश संरक्षण पर संकट के बादल, तस्करी और हादसों ने बढ़ाई चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर संभाग में गोवंश संरक्षण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। गोवंश तस्करी,रेल हादसों में हो रही मौतें और अपर्याप्त पशु चिकित्सा व्यवस्थाओं ने गौसेवा से जुड़े संगठनों की चिंता बढ़ा दी है।

- पहचान, टैगिंग फेंसिंग और 24 घंटे उपचार व्यवस्था की उठी आवाज

इन्हीं मुद्दों को लेकर हैप्पी फ्रेंड्स सोशल वेलफेयर सोसायटी हैप्पी कामधेनु गौशाला ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल और प्रभावी हस्तक्षेप की मांग की है। संस्था ने चेताया है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में स्थिति और भयावह हो सकती है।

संस्था ने बताया कि वह पिछले दस वर्षों से निःस्वार्थ भाव से गौसेवा में जुटी है। वर्तमान में गौशाला में 300 से अधिक गोवंश का संरक्षण, पालन-पोषण एवं उपचार किया जा रहा है। बावजूद इसके प्रशासनिक निगरानी के अभाव में तस्कर बेखौफ होकर सक्रिय हैं। ग्राम पामेला में प्रत्येक रविवार और लोहंडीगुड़ा में शुक्रवार को लगने वाले पशु बाजारों से गोवंश की अवैध खरीद-फरोख्त कर उन्हें अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है। भोले-भाले ग्रामीणों को बहला-फुसलाकर गोवंश खरीदा जाता है और रात्रिकालीन परिवहन के जरिए कानून को चकमा दिया जा रहा है। संस्था ने सुझाव दिया है कि पशु बाजारों में खरीदारों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य किया जाए, गोवंश खरीद की संख्या सीमित हो,खरीदे गए पशुओं की तत्काल टैगिंग एवं ऑनलाइन पंजीयन किया जाए तथा परिवहन केवल दिन के समय ही हो। इसके साथ ही जिला व खंड स्तर पर गठित समितियों के माध्यम से निरंतर निगरानी व्यवस्था लागू की जाए। रेलवे पटरियों पर हो रही गोवंश की मौतों को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों की चपेट में आकर प्रतिदिन गोवंश एवं अन्य पशु काल का शिकार बन रहे हैं। घायल पशुओं को समय पर उपचार न मिल पाने से उनकी जान बचाना मुश्किल हो जाता है। संस्था का कहना है कि यदि अन्य राज्यों की तरह रेलवे ट्रैक के दोनों ओर फेंसिंग कराई जाए, तो इन हादसों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। इसके साथ ही जगदलपुर नगर निगम क्षेत्र में संचालित डेयरी संकुलों को शहर से बाहर चिन्हित भूमि पर स्थानांतरित करने की मांग भी उठाई गई है, जिससे सड़कों पर विचरण करने वाले बेसहारा गोवंश की समस्या कम होगी और यातायात दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। जिला पशु चिकित्सालय के सीमित संचालन समय को अव्यवहारिक बताते हुए इसे 24 घंटे संचालित करने की आवश्यकता भी रेखांकित की गई है। प्रशासन से ज्ञापन के माध्यम से अपील की गई है कि गोवंश संरक्षण से जुड़े इन ⏭शेष पेज 10 पर

प्रमुख मांगें और सुझाव

पशु बाजारों में खरीदारों की पहचान अनिवार्य की जाए, गोवंश खरीद की सीमा तय हो और तत्काल टैगिंग व ऑनलाइन पंजीयन किया जाए। गोवंश का परिवहन केवल दिन में हो तथा रात्रिकालीन आवाजाही पर सख्ती बरती जाए। जिला एवं खंड स्तर पर निगरानी समितियाँ सक्रिय की जाएँ,रेलवे पटरियों के दोनों ओर फेंसिंग कराकर हादसों को रोका जाए। नगर क्षेत्र की डेयरियों को शहर से बाहर स्थानांतरित किया जाए और जिला पशु चिकित्सालय को 24 घंटे संचालित कर घायल व बीमार गोवंश को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जाए।

मानकों का पालन नहीं करने वाले 173 कॉमन सर्विस सेंटरों की आईडी निरस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जिले में कॉमन सर्विस सेंटरों सीएससी के संचालन में बरती जा रही लापरवाही और नियमों की अनदेखी यथा निर्धारित मानकों और सही लोकेशन पर केंद्र संचालित नहीं करने के चलते जिलेभर में एक साथ 173 सीएससी आईडी को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। इस सख्त कार्रवाई से नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों में हड़कंप मच गया है, वहीं स्पष्ट संकेत दिए हैं कि भविष्य में भी मापदंडों का उल्लंघन पाए जाने पर इसी तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी रहेगी और कुछ और आईडी भी निरस्त की जा सकती हैं। जांच में यह बात सामने आई कि जिले के कई सीएससी केंद्र तय किए गए नियमों पर खरे नहीं उतर रहे थे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई सीएससी आईडी बिना किसी स्थायी केंद्र या दुकान के संचालित की जा रही थी, जो कि नियमों के विरुद्ध है। इसके अलावा कई स्थानों पर उचित कॉमन ब्रांडिंग का अभाव था और न ही वहां सेवाओं का रेट चार्ट प्रदर्शित किया गया था। केवल कागजों पर या अस्थायी तौर पर चल रहे इन केंद्रों की वजह से आम लोगों को सही सेवाएं नहीं मिल पा रही थीं। इन अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए ही 173 आईडी को निरस्त करने का कड़ा फैसला लिया गया है। सीएससी के सुचारू संचालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अब कड़े निर्देश जारी किए गए हैं, जिनका पालन करना प्रत्येक वीएलई के लिए अनिवार्य है। नए निर्देशों के अनुसार ⏭शेष पेज 10 पर

- नियमों की अनदेखी पर जिले में कॉमन सर्विस सेंटरों पर कार्रवाई

ब्रांडिंग में स्टेट लोगो और सीएससी आईडी होना चाहिए अंकित

ब्रांडिंग में स्टेट लोगो और सीएससी आईडी साफ-साफ अंकित होनी चाहिए और इसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ स्वीकार्य नहीं होगी। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए केंद्र पर रेट चार्ट लगाना और सभी वीएलई का पुलिस वेरिफिकेशन होना भी अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि सभी प्रकार के डिजिटल लेन-देन केवल आवंटित सीएससी आईडी के माध्यम से ही किए जाएं।

निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे बोर्ड के अपर आयुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल प्रक्षेत्र जगदलपुर के अपर आयुक्त एचके वर्मा द्वारा अटल विहार कॉलोनी चितलंका दंतेवाड़ा में प्रस्तावित अटल विहार योजना फेज-3 का उपायुक्त जीपी प्रजापति, कार्यपालन अभियंता (विद्युत) केके कश्यप एवं अन्य अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया गया। हॉल ही में राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय आवास मेला में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न श्रेणी के 256 भवनों के निर्माण योजना लागत 38.50 करोड़ के शुरू किया गया था, जिससे अब तक 38 पंजीयन प्राप्त हो चुके हैं, निर्माण हेतु निविदा शीघ्र प्रारंभ की जा रही है। इसके साथ ही मंडल द्वारा हितग्राहियों के लंबित भुगतान तथा वाटर चार्ज के एकमुश्त भुगतान पर ब्याज की राशि में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही हैं, जिसके व्यापक प्रचार-प्रसार करने निर्देश दिए गए जिससे हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इसके पश्चात दंतेवाड़ा जिले के बचेली में मंडल द्वारा नव निर्मित एसडीएम भवन का निरीक्षण किया गया तथा कार्यालय के लिए कंक्रीट पहुंच रोड के निर्माण के निर्देश दिए गए।

नेशनल हाईवे - 63 पर बढ़ता दबाव सिक्स लेन की मांग ने पकड़ा जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

धनपुंजी राष्ट्रीय राजमार्ग-63 पर बढ़ते औद्योगिक और भारी वाहन यातायात ने सड़क की मौजूदा क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नगरनार एनएमडीसी इस्पात संयंत्र में उत्पादन प्रारंभ होने के बाद इस मार्ग पर ट्रेलर,ट्रक,टिप्पर और अन्य भारी वाहनों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है,जबकि सड़क की चौड़ाई टू-लेन पेव्ड शोल्डर से भी कम बनी हुई है। उन्नत लॉजिस्टिक्स की जरूरतों के मुकाबले यह मार्ग अब अनूपयुक्त साबित हो रहा है।

भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही और सड़क के दोनों ओर अव्यवस्थित पार्किंग के कारण यातायात बाधित रहता है। संयंत्र क्षेत्र में समुचित पार्किंग व्यवस्था के अभाव में वाहन चालक सड़क किनारे गाड़ियां खड़ी करने को मजबूर हैं, जिससे फुटपाथ तक पर कब्जा हो गया है। इसका सीधा असर सड़क सुरक्षा पर पड़ रहा है। जगदलपुर–धनपुंजी मार्ग पर अंडरराइड जैसी घातक दुर्घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि दर्ज की गई है। खड़े ट्रकों के नीचे मध्यम व छोटी गाड़ियों के घुसने से कई अनमोल जानें जा चुकी हैं। चौड़ी और आधुनिक सड़क के अभाव में यह मार्ग अब एक उच्च-जोखिम कॉरिडोर बनता जा रहा है। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए, जगदलपुर विधानसभा के पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता संतोष बाफना ने केन्द्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राष्ट्रीय राजमार्ग-63 पर जगदलपुर से धनपुंजी तक लगभग 20 किलोमीटर सड़क को सिक्स लेन में उन्नत करने का आग्रह किया है।

सिक्स लेन से क्या बदलेगा

जगदलपुर-धनपुंजी सिक्स लेन सड़क बनने से एनएमडीसी इस्पात संयंत्र की लॉजिस्टिक्स दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होगा, कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परिवहन तेज व सुरक्षित बनेगा। सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी आएगी, भविष्य में नगरनार क्षेत्र में विकसित होने वाले इस्पात आधारित उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। बढ़ती इस्पात मांग को पूरा करने में यह मार्ग एक मजबूत आधारभूत संरचना के रूप में कार्य करेगा।

मंडी बोर्ड के जेडी ने 11 मंडी सचिवों की ली क्लॉस

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक ने बुधवार को संभाग के 11 मंडी सचिवों की क्लॉस ली। इसमें उन्होंने वर्ष 2024-25 में कम उपज की आवक की भरपाई 3 माह में करने का निर्देश दिया, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इमली, लाख, हर्रा सहित अधिसूचीत अमचूर, चरौटा पर मंडी के समिति से मंडी शुल्क के लिए प्रस्ताव बना कर भेजने कहा। जिससे मुख्यालय भेजा जा सके और मंडी शुल्क ले सकें। मंडी शुल्क नहीं होने से मंडी की आय प्रभावित हो रही है। इसके अलावा मंडी में उपज की आवक बढ़ाएं, गोदाम के लंबित किराए का भुगतान करवाएं, उपज के अवैध व्यापार को रोके, जिससे मंडी की आय बढ़ सके। संभाग के सभी मंडी क्षेत्र में नई दिशा देने का प्रयास करें, जिससे मंडी का नाम रोशन हो सके। साथ ⏭शेष पेज 10 पर

- उपज के अवैध व्यापार को रोकें व कार्रवाई करें : जेडी

सड़क, शिक्षा और बुनियादी ढांचे को मिली नई गतिः किरण देव

विधायक ने दरभा अंचल को दी करोड़ों की विकास सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने कहा कि बस्तर के सुदूर वनांचलों का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में दरभा ब्लॉक के विभिन्न ग्रामों में बुधवार को 1 करोड़ 81 लाख रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों के माध्यम से ग्रामीण आवागमन, शिक्षा व्यवस्था और सामुदायिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस पहल की गई है।

- वनांचलों को मुख्यधारा से जोड़ने की प्रतिबद्धता दोहराई

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री देव ने कहा कि मुख्य मार्ग से प्राथमिक शाला और आंगनबाड़ी केंद्र तक सीसी सड़क निर्माण से बच्चों,महिलाओं और ग्रामीणों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। स्लैब कलवर्ट निर्माण से बरसात के दिनों में संपर्क टूटने की समस्या समाप्त होगी। शासकीय विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, साइकिल स्टैंड और सामुदायिक भवन जैसे कार्य शिक्षा व सामाजिक गतिविधियों को मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन सड़कों और पुल-पुलियों का निर्माण किया जा रहा है, वे केवल संरचनाएं नहीं बल्कि विकास के रास्ते हैं। मावलीपदर, छिंदबहार और आसपास के क्षेत्रों में इन कार्यों से वर्षों पुरानी परेशानियों का समाधान होगा। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और योजनाएं निरंतर आगे बढ़ती रहेंगी।

विकास कार्य एक नजर

दरभा ब्लॉक के छिंदबहार, केशापुर, नेगानार, सेड़वा, चिंगपाल, मावलीपदर एवं छिंदगूर ग्रामों में सीसी सड़क, स्लैब कलवर्ट, शाला भवन व अतिरिक्त कक्ष,सामुदायिक भवन, व्यवसायिक परिसर, हिंगलाज माता गुड़ी तथा साइकिल स्टैंड सहित कुल 1 करोड़ 81 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया गया। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं को व्यापक मजबूती मिलेगी।

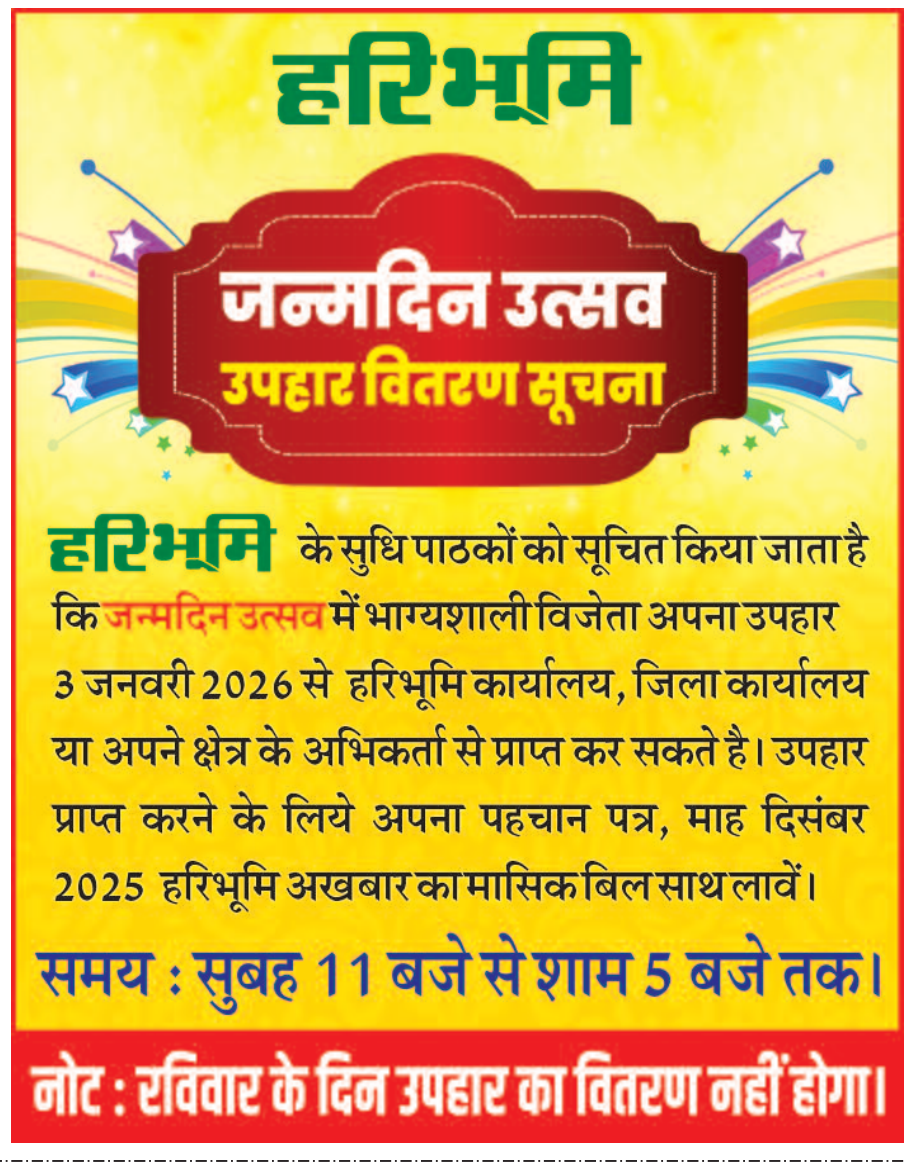

खबर संक्षेप

पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, 35 अधिकारियों-कर्मचारियों का तबादला

फरसगांव। पुलिस अधीक्षक कोंडागांव पंकज चंद्रा के द्वारा प्रशासनिक दृष्टिकोण से जिले में पदस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के व्यापक स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार जिले के विभिन्न थानों, चौकियों एवं रक्षित केंद्रों में पदस्थ कुल 35 अधिकारियों-कर्मचारियों को उनके वर्तमान पदस्थापना स्थल से हटाकर नवीन पदस्थापना स्थल पर भेजा गया है। इस प्रशासनिक फेरबदल में सहायक उप निरीक्षक (सउनि), प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक स्तर के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। स्थानांतरण के तहत थाना केशकाल, फरसगांव, माकड़ी, विश्रामपुरी, बड़ेराजपुर, कोण्डागांव, सिटी कोतवाली, रक्षित केंद्र एवं विभिन्न पुलिस चौकियों में नवीन पदस्थापनाएं की गई हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को तत्काल नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संबंधित थाना प्रभारी एवं शाखा प्रभारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए सूचित किया गया है। बताया गया है कि यह स्थानांतरण कार्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने, पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रशासनिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है।

केशकाल वनमंडल में पदोन्नति, लगा स्टार

फरसगांव। केशकाल वनमंडल अंतर्गत 11 जनवरी 2013 से पदस्थ वनरक्षक गुदराम मरकाम एवं श्रवण कुमार नेताम विगत 1 जनवरी 2026 को वनपाल के पद पर पदोन्नत हुए हैं। इस अवसर पर मंगलवार को केशकाल वनमण्डल कार्यालय में डीएफओ दिव्या गौतम व फरसगांव एसडीओ एन.के सिन्हा के द्वारा वनपाल गुदराम मरकाम एवं वनपाल श्रवण नेताम का स्टार अलंकरण कर सम्मानित किया गया। स्टार अलंकरण के दौरान में विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने पदोन्नत कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की। इस अवसर पर केशकाल डीएफओ दिव्या गौतम ने दोनों अधिकारियों को उनकी पदोन्नति पर हार्दिक बधाई देते हुए नए दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता के साथ निर्वहन करने की शुभकामनाएँ दी गईं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों पदोन्नत वनपाल अपने अनुभव और कार्यकुशलता से वन संरक्षण एवं विभागीय कार्यों को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। इस दौरान फरसगांव वन परिक्षेत्र अधिकारी आर.एस यादव समेत वनमण्डल केशकाल के अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद रहे।

आपदा प्रबंधन की तैयारियों को लेकर 9 जनवरी को मॉकड्रिल

कोण्डागांव। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, गृह मंत्रलय भारत सरकार, छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कोंडागांव के संयुक्त तत्वाधान में 8 जनवरी 2026 को बाढ़ से बचाव परिदृश्य को लेकर बैठक आयोजित की जाएगी। बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने हेतु 9 जनवरी, शुक्रवार को प्रातः 9.30 बजे ग्राम पंचायत बम्हनी में बाढ़ परिदृश्य पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। यह मॉक ड्रिल जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता का आकलन करने और आपात स्थिति में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

जिले की पगडंडियों से निकलकर दुनिया तक जाएगी शांति की दौड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणपुर

अबूझमाड़ के गांवों में सुबह अब अलग तरह से होती है। जंगलों से उठती धुंध के बीच अब केवल सन्नाटा नहीं, बल्कि दौड़ते कदमों की आहट सुनाई देती है। कभी डर और अलगाव की पहचान रहे इस इलाके में अब अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन की तैयारी गांव-गांव उत्सव का रूप ले चुकी है। नक्सल हिंसा से उबरते अबूझमाड़ क्षेत्र में शांति, विकास और खेल भावना का संदेश देने वाली अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन का पंचम संस्करण 31 जनवरी को नारायणपुर में आयोजित किया जाएगा। "अबूझमाड़ महोत्सव" के अंतर्गत होने वाली इस प्रतिष्ठित मैराथन की आधिकारिक टी-शर्ट का विमोचन मंगलवार को छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री केदार कश्यप ने किया। ऊंचे पर्वतों, घने जंगलों और अबूझमाड़ की मावली माता की पावन धरती के बीच यह दौड़ बस्तर को पांचवीं बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने जा रहा है। 15 लाख रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि वाली यह दौड़ गांवों के युवाओं के लिए सपनों का रास्ता भी बन गई है। हर साल 8000 से 10000 धावक यहां पहुंचकर अबूझमाड़ की कहानी अपने साथ दुनिया तक ले जाते हैं।

सामान्य होते जीवन और लौटते भरोसे की तस्वीर बना आयोजन

गांव के युवा बताते हैं कि पहले बाहर के लोग यहां आने से डरते थे, अब देश-विदेश के धावक हमारे रास्तों पर दौड़ते हैं। महिलाएं कहती हैं कि दौड़ के दिन बस्तर की संस्कृति दिखती है, लगता है अबूझमाड़ को लोग जान रहे हैं। ऊंची पहाड़ियों, कच्ची पगडंडियों और आदिवासी बस्तियों के बीच होने वाली यह 21 किलोमीटर हाफ मैराथन अब केवल खेल नहीं रही। यह अबूझमाड़ के सामान्य होते जीवन और लौटते भरोसे की तस्वीर बन गई है। एक स्थानीय बुजुर्ग कहते हैं कि अबूझमाड़ हमेशा सुंदर था, अब दुनिया उसे देखने आ रही है।

31 जनवरी को होगा अबूझमाड़ मैराथन का पांचवां संस्करण

आयोजन को अपनी पहचान से जोड़ रहे हैं नागरिक

जिला प्रशासन और नारायणपुर पुलिस के सहयोग से होने वाली यह हाफ मैराथन अब महज खेल प्रतियोगिता नहीं रही। गांवों से लेकर शहर तक, स्थानीय युवा, महिलाएं और बच्चे इस आयोजन को अपनी पहचान मानने लगे हैं। दौड़ के रास्ते में पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्य और बस्तर की संस्कृति की झलक दिखाई देती है, जो इसे अलग पहचान देती है।लंबे समय तक नक्सल प्रभाव के कारण अलग-थलग रहे अबूझमाड़ क्षेत्र में अब शांति, भरोसे और विकास की नई तस्वीर उभर रही है। इसी बदलाव का प्रतीक बन चुकी अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन का किया जाएगा।

प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत बनेगी पर्यटन विकास की मजबूत नींव

अबूझमाड़ के दूरस्थ अंचलों तक पहुंच रही योजनाएं पर्यटन से समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे: वनमंत्री कश्यप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणपुर

अबूझमाड़ क्षेत्र में विकास की नई किरणें फूट रही हैं। नारायणपुर विधायक और छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप के निरंतर प्रयासों से अबूझमाड़ के लगभग 4000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के दूर-दराज के गांवों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं। इससे स्थानीय जनजीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है और क्षेत्र की प्रगति को नयी गति मिल रही है।

■ 4000 वर्ग किमी क्षेत्र तक पहुंचीं सरकारी योजनाएं

केदार कश्यप ने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है। यहां के कच्चापाल, हांदावाडा, फरसबेड़ा सहित कई जलप्रपात, झरने और नदियाँ पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। वर्तमान में सोशल मीडिया पर इन जगहों के वीडियो और फोटो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जो पर्यटन विकास के लिए सकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि अबूझमाड़ को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए, जिससे न केवल यहां के प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होगा बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। साथ ही, केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की विष्णु देव साय के सुशासन में इस क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। केदार कश्यप ने कहा कि अबूझमाड़ के दूरस्थ इलाकों में सरकार की योजनाएं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, स्वच्छता आदि प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं। क्षेत्रवासियों को इसका पूरा लाभ मिल रहा है, जिससे उनकी जीवनशैली बेहतर हो रही है।

केदार कश्यप ने जनता से अपील की कि वे अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करें और पर्यटन विकास में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे हर संभव प्रयास करेंगे ताकि अबूझमाड़ न सिर्फ छत्तीसगढ़ के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक चमकता हुआ पर्यटन केंद्र बन सके। अबूझमाड़ के विकास से न केवल यहां के लोग सशक्त होंगे, बल्कि यह क्षेत्र आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी नई ऊंचाइयों को छुएगा।

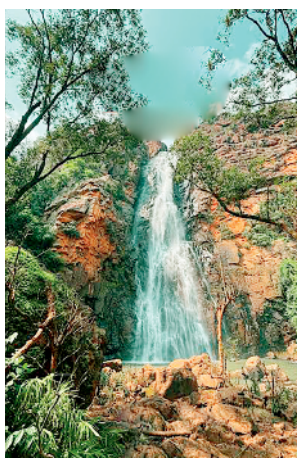

विरासत का करें संरक्षण व विकास में सक्रिय दें सहयोग: कश्यप

इस क्षेत्र में मौजूद गारपा गांव का वह प्रसिद्ध जल स्रोत, जो शिव मंदिर के पास स्थित है, लगातार 365 दिन 24 घंटे निर्बाध बहता रहता है और यह स्थानीय लोगों के लिए आस्था और जीवनदायिनी साबित हो रहा है।

188वीं वाहिनी केरिपु बल में नववर्ष का उल्लास, सांस्कृतिक कार्यक्रम से गूंजा परिसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

नववर्ष के अवसर पर 188वीं वाहिनी केरिपु बल के प्रांगण में कमाण्डेंट भवेश चौधरी के मार्गदर्शन में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

■ जवानों की कला और प्रतिभा ने बांधा समां आयोजन रहा यादगार

कार्यक्रम में वाहिनी में पदस्थ जवानों ने अपनी कला एवं प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान गीत, नृत्य एवं अन्य मनोरंजक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दानों की सहभागिता से कार्यक्रम अत्यंत रोचक एवं उत्साहवर्धक रहा।

इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय के प्रांगण में 'बड़ा खाना' का आयोजन किया गया, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों ने सहभागिता कर सामूहिक भोज का आनंद लिया। अंत में कमाण्डेंट भवेश चौधरी द्वारा उपस्थित कार्मिकों का उत्साहवर्धन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जवानों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने अपने संबोधन में सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए आने वाले वर्ष में और अधिक समर्पण एवं उत्साह से कार्य करने की प्रेरणा दी।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी नीतीन्द्रनाथ, द्वितीय कमान अधिकारी अविज्ञान कुमार, उप कमाण्डेंट दीपक सिंह, उप कमाण्डेंट कमल सिंह मीणा, सहायक कमाण्डेंट ओमप्रकाश विश्नोई, सहायक कमाण्डेंट बन्ना राम, सहायक कमाण्डेंट के.एच. जोयचंद्रा सिंह, चिकित्सा अधिकारी राहुल चन्द्रन आर.पी. सहित सभी अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय त्रिदिवसीय मानसगान एवं अध्यात्मिक सम्मेलन का समापन

पुरुष वर्ग में बस्तरिया, महिलाओं में जय मार्या संस्कार बालिका मानस परिवार ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव/विश्रामपुरी

विश्रामपुरी मुख्यालय के रामलीला मैदान मे चल रहे त्रिदिवासीय मानसगान टीका प्रतियोगिता एवं अध्यात्मिक सम्मेलन का समापन हुआ। जिसमे पुरुष वर्ग से 11 टीम तथा महिला वर्ग से 10 टीम शामिल हुए इस तरह कुल 21 टीम ने भाग लिए! तीन दिन से चले इस कार्यक्रम मे पुरुष वर्ग से प्रथम बस्तरिया मानस परिवार गम्हरी,द्वितीय परमेश्वर मानस परिवार सेमहतरा, तृतीय स्थान पर जय कपिस मानस परिवार आमाकोनी,पंचम सद्भावना मानस परिवार बड़ेराजपुर, सप्तम रघुवर मानस परिवार चर्रा रहा। सप्तम रामरस मानस परिवार फरस गांव की टीम ने बाजी मारी। इसी तारतम्य में महिला वर्ग से जय मार्या संस्कार बालिका मानस परिवार राजपुर मगरलोड, द्वितीय पुरस्कार श्री आराधना बालिका मानस परिवार कुंदरुपारा बालोद,तृतीय जय करुणामई महिला मानस मंडली उमरगांव नगरी, चतुर्थ मंगल माधुर्य महिला मानस परिवार गुरामी चीखली, पंचम हरिओम महिला मानस मंडली बोरेंदा पाटन,छठवा जय मां मनकेसरी महिला मानस मंडली टाहकापार जेपरा सप्तम स्वरांजलि महिला मानस मंडली मैसाकट्टा चारामा की टीम रही।

विधायक ने परोसा राम प्रसादी

केशकाल विधायक नीलाकंठ टेकाम ने द्वितीय दिवस के दिन शाम को मानसगान टीका परियोगिता में अपनी उपस्थिति देते हुए रामरस का श्रवण किया। उन्होंने कहा कि राम की महिमा का जो रामायण में बात बताई गई है उसको अपने जीवन में उतारने का अच्छा समय है। आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। मानसगान आयोजन ऐसे समय में हो रहा है 500 साल से जिस भगवान रामचंद्र को टेंट में अपना जीवन बिताना पड़ा था जिसका 22 तारीख को दो साल हो चुके है उनको एक भव्य मंदिर में अयोध्या में विराजित कराया गया है। विधायक द्वारा तृतीय दिवस के दिन रामप्रसादी भोजन की व्यवस्था की गई थी, जिसका उन्होंने स्वयं भी वितरण किया। साथ में भाजपा जिलाध्यक्ष सेवक राम नेताम, केशकाल नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारी शोरी, अध्यक्ष मना राम मरकाम, गीतेश पाण्डे, कृष्णदत्त उपाध्याय विवेक चांदेकर,रविन्द्र पाण्डे,अंजोरी नेताम, पवन प्रधान,ताराचंद सेठिया,श्रीमति सुशीला नेताम,विजय नेताम, प्रभु नेताम,रामु राम मरकाम, नेमी पाण्डे, एवं पार्टी के पदाधिकारी इस आयोजन में उपस्थित रहे!

पूर्व सांसद मोहन मंडावी भी हुए शामिल

कांकेर लोकसभा के पूर्व सांसद मानसगान भी तीसरे दिन कार्यक्रम में पहुंचे। पूर्व सांसद ने श्रोताओं को बताया कि आयोजन की शुरुवात स्व.महेश बघेल इस क्षेत्र के विधायक होते थे। उस समय मै मानस मंच का जिला अध्यक्ष होता था तब से की गई। हम जिस दिन राम के जीवन लीला को उतार लेंगे उस दिन हमारा जीवन धन्य हो जायेगा और यह बढ़ रही धर्मांतरण पूरी तरह से रुक जाएगी।

महिलाओं की रही सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम में नशा मुक्ति अभियान का प्रदर्शनी लगाया गाया था जो की नशे में लिप्त लोगो को इस प्रदर्शनी के माध्यम से जन जागरण चलाया गया। मानस गान टीका प्रतियोगिता कार्यक्रम के संचालन करने में महिलाओ की अहम भूमिका। जिसकी अध्यक्ष सुश्री अनिता नेताम ,पुष्पा चान्देकर सरपंच विश्रामपुरी ब, राधा यादव, अहिल्या सेठिया,राम कुमारी निषाद, राजकुमारी निषाद, सविता मरकाम,राधिका साहू,सरोजनी चान्देकर अमिला सलाम, शकुंतला शोरी, पदमनी कश्यप, संगीता एल्मा, राधा साहू,पुष्पा सोनी, गीता नाग,प्रमिला निषाद, भारती यादव सातो निषाद, बसंती साहू साथ में मण्डली मैनेजर सुभाष चान्देकर,बुधेश्वर साहू, रमेश यादव, किशन पाण्डे, मंगऊ चक्रधारी,धन्नू नेताम, सोनसाय निषाद, कृष्णा साहू,धन्नू समरथ, अखिलेश राय,अगनू निषाद,कमलेश ठाकुर एवं समस्त ग्रामवासी इस आयोजन हेतु योगदान दिया।

खेलकूद मनोरंजन के साथ विद्यार्थियों ने खाया स्वादिष्ट खाना

उम्मीद संस्था ने सदस्य के जन्मदिन पर स्कूल में कराया न्योता भोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

उम्मीद सामाजिक संस्था ने ञ जनवरी को फरसगांव ब्लॉक के ग्राम गट्टीपलना में बच्चो के लिए खेल-कूद के साथ बच्चों को न्योता भोज कराकर पुरुस्कार और पाठ्य सामग्री वितरण कर संस्था के सदस्य मो. फ्रीरोज मेमन के जन्मदिन को सादगीपूर्ण मनाया। कार्यक्रम में ग्राम गट्टीपलना के प्राथमिक शाला प्लाटपारा, प्राथमिक शाला डीहिपारा, आंगनबाड़ी प्लाटपारा और आंगनबाड़ी बड़ेपारा के बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम में सबसे पहले सभी स्कूली बच्चो के मनोरंजन हेतु नए खेल का आयोजन किया। जिसमें बच्चो के लिए बलून दौड़, बलून फोड़, आउट-इन-आउट कूद, पेंसिल दौड़ जैसे कई नए खेलकूद का आयोजन किया गया। इसके बाद विजेता बच्चों को पुरस्कार का वितरण किया गया। तत्पश्चात प्राथमिक शाला प्लाटपारा में सभी बच्चों के साथ केक काटकर बच्चों को केक खिलाया व बच्चों को पाठ्य सामग्री भी वितरण किया। बच्चों को पढ़ाई और खेलकूद प्रतियोगिता में आगे आने के लिए भी कहा। वही उम्मीद संस्था के सदस्यों ने न्योता भोज के दौरान बच्चों को स्वादिष्ट व्यंजन को परोसा और बच्चों संग भोजन भी किया, बच्चों ने स्वादिष्ट और लजीज व्यंजन का लुत्फ उठाया। इस दौरान फरसगांव एबीईओ उदित सोनी ने बताया कि स्कूलों में अब न्योता भोज जैसे आयोजन से बच्चों में स्कूल के प्रति रुचि बढ़ रही है। ग्रामीण परिवेश के बच्चे ऐसे मौके पर अत्यधिक प्रसन्न होकर शिक्षा के साथ-साथ स्कूल की अन्य गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं।

ये रहे मौजूदः इस दौरान ग्राम गट्टीपलना सरपंच नरसिंग शोरी, उप सरपंच, पंच, फरसगांव बीआरपी शौम्य देवांगन, पार्षद संगीता प्रवीण राव, उम्मीद संस्था के सदस्य मो फिरोज मेमन और उनके परिवार के सदस्य, भरत भारद्वाज, रामकुमार भारद्वाज, डिक्की जायसवाल, कुलजोत सन्धु, स्कूल के शिक्षिकाएं, आंगनबाड़ी की सहायिका, कार्यकर्ता, ग्रामीणजन सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

दिव्यांग बालिकाओं के सशक्तिकरण व समान अवसर पर दिया विशेष जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी रेनू प्रकाश के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा समान अवसर और भागीदारी हर बेटी सक्षम अभियान के अंतर्गत जिलेभर में विविध जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। अभियान के अंतर्गत 3 दिसम्बर अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर 1 से 30 दिसम्बर तक आयोजन हुआ। 5 दिसम्बर अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के तहत 5 दिसम्बर तक तथा मानव अधिकार दिवस के अवसर पर 10 से 20 दिसम्बर तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बालिकाओं की पहचान कर स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के सहयोग से उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाने हेतु जागरूक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बालिकाओं के शैक्षणिक जीवन को सहज एवं सुलभ बनाना रहा। इसके अंतर्गत विशेष करियर मार्गदर्शन एवं काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें बालिकाओं को उनकी क्षमताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रें में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रमों में सफल दिव्यांग महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियाँ साझा की गईं तथा शासन की विभिन्न योजनाओं, शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई।

■ हर बेटी सक्षम अभियान के तहत जिले में विविध जागरुकता गतिविधियाँ आयोजित

विभागीय समन्वय से सफल आयोजन

यह अभियान जिला एवं विकासखंड स्तर पर ग्राम पंचायत, जिला पंचायत, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्कूलों में मिशन शक्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, चाइल्ड लाइन, सखी वन स्टॉप सेंटर एवं नव बिहान के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, जनपद पंचायत सदस्यों, सरपंच, उपसरपंच, सचिव, वार्ड पंचों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को किया गया जागरूक

विशेष जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं, स्कूल एवं छात्रवासों के बालक–बालिकाओं, स्वसहायता समूहों की महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, संरक्षण, समान अधिकार, पोषण एवं जीवनशैली जैसे विषयों पर जागरूक किया गया। अभियान के तहत चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता, युवा संवाद कार्यक्रम, बालिकाओं की भूमिका पर व्याख्यान तथा बाल विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।

किसानों का उर्वरक उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र में मृदा स्वास्थ्य पर जोर, संतुलित उर्वरक उपयोग का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

ब्लाक के पूर्वी बोरगांव में स्तिथ कृषि विज्ञान केंद्र में मंगलवार को मृदा स्वास्थ्य पत्रक अनुरूप उर्वरक उपयोग विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषकों को मृदा स्वास्थ्य पत्रक के महत्व, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना था, जिससे टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिया जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सुरेश कुमार मरकाम ने की। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, कांकेर से पधारे डॉ. कोमल सिंह केराम ने राज्य एवं जिले की मिट्टी की भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

■ जैविक, प्राकृतिक खेती और फसल विविधीकरण से टिकाऊ कृषि को बढ़ावा

उन्होंने उर्वरक उपयोग की वैज्ञानिक विधियाँ, प्राकृतिक स्रोतों से खाद निर्माण, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, वर्मी कम्पोस्टिंग तथा मृदा गुणवत्ता प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मृदा गुणवत्ता को बनाए रखते हुए उत्पादन बढ़ाना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जिले के उपसंचालक कृषि श्री कैलाश मरकाम ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए कृषकों को उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप साग-सब्जी, मक्का, धान, दलहन एवं तिलहन आधारित फसल चक्र अपनाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विविधीकृत खेती से जोखिम कम होता है और किसानों की आय के नए स्रोत विकसित होते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र, कांकेर के पादप रोग वैज्ञानिक डॉ. उपेंद्र कुमार नाग ने फसलों में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान तथा उनके नियंत्रण हेतु समन्वित कीट-रोग प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने जिले में प्रमुख रूप से पाई जाने वाली फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के जैविक एवं रासायनिक नियंत्रण की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

किसानों को जैव उर्वरकों के प्रयोग के लिए किया प्रेरित

जिला कलेक्ट्रेट, कोंडागांव से आए राग़िब अली, जिला संसाधन प्रकोष्ठ ने बताया कि कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार जिले के 50 किसानों के खेतों की मृदा जांच की गई, जिसमें मृदा में कई पोषक तत्वों की कमी पाई गई है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण एवं आगामी सहयोग के माध्यम से जैव उर्वरकों के प्रयोग को अपनाने हेतु किसानों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. हितेश मिश्रा ने गाय के गोबर से जैविक खाद तथा गोमूत्र से कीटनाशक एवं अन्य कृषि उपयोगी आदानों के निर्माण पर बल दिया। डॉ. भूपेंद्र ठाकुर, सस्य वैज्ञानिक ने रबी मौसम की फसलों के वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी दी, वहीं डॉ. प्रिया सिंह ने उन्नत कृषि यंत्रों की उपयोगिता बताते हुए कम लागत में अधिक मुनाफा प्राप्त करने हेतु आधुनिक यंत्रों के प्रयोग पर जोर दिया।

इनकी रही सक्रिय सहभागिता

इस कार्यक्रम में कोंडागांव, माकड़ी, फरसगांव एवं केशकाल विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी हेमलाल पद्दाकर, तुलसी नेताम, आनंद नेताम, मीना नेताम, आत्मा योजना से टिकेश्वर नाग, संबंधित विकासखंडों के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा लगभग 70 कृषकों ने सक्रिय सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

पेज 9 के शेष

बस्तर में गोवंश ...

सभी मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ठोस निर्णय लिए जाएँ, ताकि बस्तर अंचल में गोवंश की रक्षा सुनिश्चित हो सके और वर्षों से चल रहे गौसेवा प्रयासों को मजबूती मिले।बजरंग दल जिला संयोजक मुन्ना बजरंगी इस दौरान गोवंश संरक्षण और तस्करी के विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए जिला स्तर पर चेतावनी भरे शब्दों में विचार रखे गए, जिनका उल्लेख समाचार के अंत में किया गया।

मानकों का पालन ...

सीएससी केंद्र का एक स्थायी पते पर संचालित होना सबसे पहली शर्त है। इसके साथ ही, केंद्र पर निर्धारित कॉमन ब्रांडिंग का होना आवश्यक है, जिसमें बैनर को केवल चिपकाने या लटकाने के बजाय सही तरीके से फ्रेम करके लगाना होगा।

मंडी बोर्ड के जेडी...

ही कर्त्तव्य में कार्यआधारित गोपनीय चरित्रावली (सीआर) में लिखा जाएगा। इसलिए उच्चअधिकारियों के आदेश एवं निर्देश का ध्यान दें।

मंडी शुल्क पर विपणन को दें नोटिस : राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि मंडियों के आडिट का निराकरण करें। वर्ष 2024-25 में राज्य सहकारी विपणन संघ की ओर से 11 कृषि उपज मंडियों को शासकीय धान खरीदी पर मंडी शुल्क नहीं दिया, जिससे भुगतान कराने के लिए विपणन को नोटिस दें।

खबर संक्षेप

केंद्रों पर 84618.80 क्विंटल धान खरीदी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार के सुशासन से समृद्धि तक के सफर का असर अब सुदूर अंचलों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण दंतेवाड़ा जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत की जा रही धान खरीदी व्यवस्था है, जो पूरी पारदर्शिता और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही है। सभी खरीदी केंद्रों में शासन के निर्देशानुसार 21 क्विंटल प्रति एकड़ अधिकतम खरीदी को प्राथमिकता में रखते हुए किसानों से खेत के निकली धान की उपज को खरीदा जा रहा है। उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दंतेवाड़ा जिले में अब तक 84618.80 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसमें से 29950 क्विंटल धान का उठाव कराकर सफलतापूर्वक मिलिंग कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

आंगनबाड़ी सेवाओं को हाईटेक और प्रभावी बनाने जुटा प्रशासन

सुकमा। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से उतारने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। कलेक्टर अमित कुमार ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि जनहित की योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जिले के हर पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने और कुपोषण को जड़ से मिटाने के लिए 'मिशन मोड' में काम करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि 100 प्रतिशत टेक होम राशनः सभी पंजीकृत हितग्राहियों को समय पर और पूर्ण मात्रा में राशन का वितरण सुनिश्चित किया जाए। डिजिटल मॉनिटरिंगः पोषण ट्रेकर ऐप में प्रविष्टि को अनिवार्य करते हुए डेटा की शुद्धता पर जोर दिया गया।

महोत्सव के रूप में मनाया गया रोजगार दिवस

बीजापुर। जिले की ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत नए प्रावधानों से अवगत कराने एवं प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों को आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित करने रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन महोत्सव के रूप में किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को वीबी जी राम जी योजना के प्रावधानों से ग्रामीण को अवगत कराया। महात्मा गांधी नरेगा के कार्यों में पारदर्शिता लाने ग्राम पंचायतों में लगे क्यू आर कोड को ग्रामीणों को इसे स्कैन कर जानकारी प्राप्त करने के तरीके से अवगत कराया गया। आवास दिवस पर पीएम आवास हितग्राहियों पंचायत प्रतिनिधियों की भागीदारी से आवास जल्द पूर्ण करने प्रोत्साहित किया गया।

बस्तर के कोने-कोने तक शांति और खुशहाली लाने शासन प्रतिबद्ध : उपमुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा आज बीजापुर जिले के अतिसंवेदनशील ग्राम कुटरू पहुंचे, जहां उन्होंने नियद नेल्ला नार के अन्तर्गत सम्मिलित पंचायतों के विकास हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों के साथ बैठक की। इस बैठक में बीजापुर जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों से आये ग्रामीण जनप्रतिनिधि एवं समाज प्रमुख गायता, सिरहा, पुजारी, बैगा आदि शामिल हुए।

इस दौरान उप उपमुख्यमंत्री ने सभी से मुलाकात कर उनका अभिवादन किया। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हिंसा के साथ विकास करना कभी भी संभव नहीं रहा है। आज बस्तर अंचल के कोने कोने में हर गांव में शांति और खुशहाली लाने के लिए शासन पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बस्तर में शांति के लिए आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव में आकर भटके युवा वापस आये और पुनर्वास का रास्ता अपना कर ग्राम और देश के विकास में अपना योगदान दें।

उन्होंने आगे कहा कि शासन द्वारा बस्तर अंचल के सभी ग्रामों के विकास के लिए ग्राम स्तर पर विकास के मॉडल तैयार किए जा रहे हैं। जिसके तहत ग्राम की महिला समूहों और युवाओं को सक्षम बनाकर स्थानीय वनोपजों के प्रसंस्करण का कार्य गांव में किया जाएगा, जिससे ग्रामीण वनोपज संग्राहक से उत्पादक और उत्पादक से व्यवसायी बनेंगे और अपने उत्पादों का स्वयं प्रसंस्करण कर वनोपजों का उचित मूल्य भी प्राप्त करेंगे। गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए नियद नेल्ला नार योजना शुरू की गई है, जहां स्थानीय कैम्प

विकास का केंद्र बन गए हैं और गांव में विकास कार्यों को संचालित कर रहे हैं। इसके साथ ही गांव गांव में शासकीय योजनाओं की संतृप्तता का कार्य करते हुए हर योजना का लाभ प्रत्येक ग्रामीण को दिलाया जा रहा है।

उन्होंने समाज प्रमुखों से अपील की कि वे जंगलों में माओवादी गतिविधियों में सम्मिलित अपने ग्राम के युवाओं को समझाएं और पुनर्वास कराएं। ऐसे ग्राम जो अपने सभी सदस्यों को मुख्यधारा में लाकर ग्राम को सशस्त्र नक्सल हिंसा से मुक्त घोषित करेंगे, उन ग्रामों में इलवद पंचायत योजना के तहत 1 करोड़ रुपए की राशि अतिरिक्त विकास कार्यों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर ग्राम पंचायत केतुलनार पेठा, मंगापेठा रानी बोली, अंबेली और दरभा जो नक्सल मुक्त होने के कगार पर है उन्हें नक्सल मुक्त होने का प्रस्ताव भेजने को कहा गया। ताकि इलवंद गांव के रूप में उनका विकास किया जा सके।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने समाज प्रमुखों स्व उनके ग्रामों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास, रोजगार एवं आजीविका संवर्धन की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की, जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि आज तक उनके ग्रामों में नक्सल गतिविधियों के कारण विकास नहीं पहुंच पाया था पर अब उनके ग्रामों तक सड़क, बिजली जैसी सुविधाएं मिलने लगी हैं, जिससे वे बहुत खुश हैं। कार्यक्रम में बीजापुर की ग्रामीण महिला स्व सहायता समूहों द्वारा अपने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई थी। जिसका अवलोकन करते हुए उपमुख्यमंत्री ने उनके खाद्य उत्पादों का भी स्वाद लिया और वनोपजों के बेहतर प्रसंस्करण और बाजार उपलब्धता पर चर्चा की। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा,एडीजी नक्सल आपरेशन विवेकानंद सिन्हा,पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह आईजी सुंदरराज पी एवं संचालक अश्विनी देवांगन, कलेक्टर संबित मिश्रा, डीएफओ रंगानाथन रामाकृष्णन वाय सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे सहित ग्रामों के समाज प्रमुख , जनप्रतिनिधि गण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया जिले के शैक्षणिक संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण

शिक्षा गुणवत्ता और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने बुधवार को जिले के विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छू लो आसमान, एजुकेशन सिटी, स्विमिंग पुल, क्रिकेट ग्राउंड तथा बड़े कारली स्थित पूरक पोषण आहार यूनिट (रेडी-टू -ईट) का अवलोकन किया।

कलेक्टर ने निरीक्षण की शुरुआत छू लो आसमान संस्थान से की, जहां उन्होंने अध्ययनरत छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई एवं शैक्षणिक तैयारियों की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान में लाइब्रेरी एवं रीडिंग रूम के निर्माण के निर्देश दिए तथा जेईई एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विभिन्न लेखकों की पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कॉमन हेल्थ, मानसिक स्वास्थ्य एवं बच्चों की नियमित काउंसलिंग कराए जाने के निर्देश

दिए। उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर विशेष उपलब्धि प्राप्त व्यक्तियों के माध्यम से मार्गदर्शन एवं प्रेरक काउंसलिंग सत्र आयोजित करने तथा सप्ताह में एक दिन छात्राओं को जिले के विभिन्न स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण करवाने के निर्देश भी दिए, ताकि उनमें आत्मविश्वास एवं आगे बढ़ने की प्रेरणा विकसित हो सके।

कलेक्टर ने एजुकेशन सिटी स्थित आस्था इंग्लिश मीडियम स्कूल जावंगा का निरीक्षण किया। उन्होंने शाला परिसर का भ्रमण करते हुए विभिन्न कक्षाओं एवं साइंस लैब का अवलोकन किया। संस्था में दर्ज विद्यार्थियों को मानक (नॉर्म्स) के अनुरूप कक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आवश्यक आधारभूत संरचना निर्माण को लेकर चर्चा कर सहमति व्यक्त की गई।

कलेक्टर ने आस्था जावंगा में कक्षाओं एवं आवासीय व्यवस्था के विस्तार तथा शिक्षकों की भर्ती के भी निर्देश दिए, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। इसी क्रम में कलेक्टर ने खेल मानकों के अनुरूप निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम एवं स्विमिंग पूल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्रिकेट स्टेडियम में शेड, पवेलियन, गैलरी, बाउंड्रीवाल निर्माण तथा स्टेडियम में लाइटिंग व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री ध्रुव ने बड़े कारली स्थित रेडी टू ईट यूनिट का भी अवलोकन किया। यह रेडी टू ईट यूनिट उमंग क्षेत्रीय स्तरीय संघ मां दंतेश्वरी स्व सहायता समूह द्वारा संचालित की जा रही है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने यूनिट की तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं समूह की महिलाओं से विस्तृत चर्चा की।

पर्यटन बचाने निकली जनता बेनकाब हुआ प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहंडीगुड़ा

- चार दिन के श्रमदान में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने मिली शराब की बोतल

नववर्ष 2026 की शुरुआत नए संकल्प के साथ चित्रकोट में हुई। सरपंच भंवर मौर्य की जागरूक पहल और चितरकोट बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में 1 जनवरी से 4 जनवरी 2026 तक लगातार 4 दिनों तक श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसी दौरान पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने शराब की खाली बोतल मिलना शासन–प्रशासन की घोर लापरवाही को उजागर करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल चित्रकोट में न लाइट की व्यवस्था है, न डस्टबिन, न ही पर्यटकों के लिए पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध है। सबसे गंभीर बात यह है कि पूरे क्षेत्र में कोई निगरानी समिति तक गठित नहीं की गई है। ऐसे में पर्यटन स्थल को पूरी तरह पर्यटकों के भरोसे छोड़ देना प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है।

जनता जहां श्रमदान कर पर्यटन की गरिमा बचाने में जुटी है, वहीं शासन-प्रशासन की निष्क्रियता चित्रकोट की छवि पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। चितरकोट बचाओ संघर्ष समिति ने दोषियों पर कार्रवाई, जवाबदेही तय करने और स्थायी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

बिलाल आदिवासियों को अपना बल न दिखाएं : विक्रम

बेकसूर आदिवासी दो युवकों की गिरफ्तारी पर विधायक सख्त, भाजपा की तानाशाही नहीं करें बर्दास्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जिले में दो आदिवासी युवकों की गिरफ्तारी को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। क्षेत्रीय विधायक विक्रम शाह मंडावी ने भाजपा नेता बिलाल ख़ान और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सत्ता में आने के बाद कुछ लोगों पर सत्ता का नशा सिर चढ़कर बोल रहा है, जिसका खामियाजा निर्दोष आदिवासी समाज को भुगतना पड़ रहा है।

विधायक मंडावी ने आरोप लगाया कि भोपालपट्टनम क्षेत्र के दो आदिवासी युवक संदीप तलांडी और रमेश आत्रम को बिना किसी ठोस कारण के जेल भेज दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर क्या वजह थी कि भाजपा नेता बिलाल ख़ान से मिलने उनके घर पहुंचे इन युवकों को अपराधी की तरह गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने इसे कमजोर वर्गों के खिलाफ अन्यायपूर्ण कार्रवाई बताते हुए भाजपा की नीतियों पर भी सवाल खड़े किए।

मंडावी ने कहा कि राजनीति समाज और आम जनता के हित के लिए की जाती है, न कि आदिवासियों पर अत्याचार करने के लिए। उन्होंने बिलाल ख़ान को राजनीति में "कच्चा" बताते हुए कहा कि उन्हें अभी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है और अपने जोश व जुनून का इस्तेमाल आदिवासियों के हित में करना चाहिए।

विधायक ने पुलिस की कार्रवाई को सत्ता का दुरुपयोग करार देते हुए आरोप लगाया कि जिला प्रशासनिक अधिकारी पूरी तरह दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खासकर आदिवासियों से जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच किए बिना ही कार्रवाई कर दी जाती है, ताकि अपने आका को खुश किया जा सके।

इस पूरे मामले की कड़ी निंदा करते हुए विधायक मंडावी ने दोनों आदिवासी युवकों की तत्काल रिहाई, मामले की निष्पक्ष जांच और भाजपा नेता बिलाल ख़ान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं का अहंकार और घमंड लगातार बढ़ रहा है, जिसका सीधा असर आम जनता, विशेषकर आदिवासी समाज, पर पड़ रहा है।

दरभा की 46 ग्राम पंचायतों में मनाया रोजगार दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ दरभा

दरभा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले समस्त 46 ग्राम पंचायतों में बुधवार को रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन व्यापक स्तर पर किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीणजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, मनरेगा श्रमिक, सरपंच एवं पंच, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी तथा मनरेगा स्टाफ की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास हितग्राहियों को आवास निर्माण की प्रक्रिया की विस्तृत

जानकारी दी गई।

हितग्राहियों को किस्तों के भुगतान, निर्माण सामग्री की उपलब्धता तथा मनरेगा अंतर्गत 90 दिवस की मजदूरी के प्रावधानों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया। साथ ही हितग्राहियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण हेतु प्रेरित किया गया। ग्रामीणजनों को मनरेगा योजना अंतर्गत आजीविका डबरी से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। बताया गया कि डबरी निर्माण से कृषि कार्यों में सिंचाई सुविधा बढ़ती है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होती है। पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक संख्या में आजीविका डबरी निर्माण कार्य कराने हेतु प्रेरित किया गया। शासन की योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्रामीणों को मोबाइल के माध्यम से क्यूआर कोड स्कैन करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा इसके अधिकाधिक उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। वीबीजीआरएएम-जी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। योजना के उद्देश्य, लाभ एवं पात्रता से ग्रामीणों को अवगत कराते हुए उनके प्रश्नों का समाधान मौके पर ही किया गया। कार्यक्रम के दौरान योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु पैम्पलेट एवं पोस्टर प्रदर्शित किए गए, जिससे ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी सरल एवं प्रभावी रूप से प्राप्त हो सके। कार्यालय जनपद पंचायत दरभा द्वारा इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाने की बात कही गई, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाया जा सके।

स्लम क्षेत्रों तक पहुंच रही सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना शहरी स्लम क्षेत्रों में रहने वाले गरीब एवं जरूरतमंद नागरिकों के लिए एक मजबूत स्वास्थ्य सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। इस योजना का उद्देश्य उन वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुंचाना है, जो आर्थिक या सामाजिक कारणों से अस्पतालों तक नहीं पहुँच पाते।

योजना के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्लम क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रत्येक एंबुलेंस में डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट एवं लैब तकनीशियन की तैनाती की गई है, जिससे मौके पर ही जाँच, परामर्श और दवाओं का वितरण संभव हो सका है। इससे न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि आमजन को इलाज के लिए दूर-दराज नहीं भटकना पड़ रहा। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के माध्यम से महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों एवं श्रमिक वर्ग को विशेष लाभ मिल रहा है। सामान्य बीमारियों के साथ-साथ ब्लड प्रेशर, शुगर, एनीमिया जैसी समस्याओं की जाँच और उपचार भी नियमित रूप से किया जा रहा है। आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ कम हुआ है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह योजना उनके लिए किसी राहत से कम नहीं है। पहले जहां इलाज के लिए निजी क्लीनिकों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब सरकार स्वयं उनके द्वार तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचा रही है। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से योजना का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है और निरंतर निगरानी भी रखी जा रही है।

कुल मिलाकर, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी सोच का सशक्त उदाहरण है, जो स्वस्थ नागरिक, सशक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार कर रही है। यह योजना न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ा रही है, बल्कि शहरी गरीबों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव ला रही है।

तोकापाल, परपा ग्राम में हुआ हिंदू सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोकापाल

हिंदू संगम परपा मंडल तोकापाल के माध्यम से बुधवार को परपा ग्राम में माता गुड़ी के समक्ष भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शिव मंदिर परपा से माताओं एवं बहनों द्वारा निकाली गई कलश यात्रा से हुई। यह यात्रा शिव मंदिर से सम्मेलन पंडाल तक निकाली गई, जहां विधिवत रूप से कलश को कार्यक्रम स्थल पर सुशोभित किया गया।

इसके पश्चात कार्यक्रम में पधारे सम्माननीय अतिथियों एवं मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती मनीषा कुलदीप सदस्या, विहंगम योग संस्थान; मातृ शक्ति सेविका, उपदेश्टा एवं प्रचारिका, जिला बस्तर रहीं। वहीं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता यज्ञ सिंह मध्य बस्तर विभाग प्रचारक एवं संभाग प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर की छात्राओं द्वारा मनमोहक गीत, भजन एवं नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने सराहा। सम्मेलन में आए अतिथियों, मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता ने अपने-अपने उद्बोधन में हिंदू समाज की एकता, संस्कृति एवं मूल्यों पर प्रकाश डाला तथा हिंदू राष्ट्र की रक्षा के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर ग्रामवासियों के साथ-साथ परपा मंडल के सभी सदस्यों एवं अधिकारियों का विशेष योगदान रहा। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाया और आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

दीपिका सोरी ने किया उप-स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

जिले के ग्राम पंचायत अधिकारीरास के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। पिछले एक दशक 10 वर्षों से अधूरा पड़ा उप-स्वास्थ्य केंद्र भवन आखिरकार जनसेवा के लिए समर्पित कर दिया गया। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी के मुख्य आतिथ्य में केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया गया, जिससे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को अब घर के पास ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

ग्रामीणों की मांग पर त्वरित संज्ञान

अधिकारीरास पंचायत के ग्रामीणों के लिए गादीरास या सुकमा मुख्यालय जाना काफी

चुनौतीपूर्ण था। दूरी अधिक होने के कारण मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को सालों से इलाज के लिए भटकना पड़ रहा था। ग्रामीणों की इस पीड़ा को समझते हुए सुश्री दीपिका सोरी ने विशेष रुचि ली और भवन को पूर्ण करवाकर उसे चालू करवाया।

भावुक हुए ग्रामीण, जनप्रतिनिधि का जताया आभार

उद्घाटन के दौरान जब सुश्री सोरी ने फीता काटा, तो ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बनता था। वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर ग्रामीणों ने सुश्री सोरी और प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया। सुश्री दीपिका सोरी ने इस अवसर पर कहा कि ग्रामीणों की स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी यह मांग वर्षों से लंबित थी। हमारा लक्ष्य है कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी त्वरित इलाज मिले। आज इस केंद्र के शुरू होने से अधिकारीरास के लोगों को अब कोसों दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

स्वास्थ्य विभाग और पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में सामुदायिक सहभागिता की अनूठी मिसाल देखने को मिली। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ डॉ. आरके सिंह, स्थानीय सरपंच सुंदर नाग, मोती राम, मोहन राम सहित क्षेत्र के पटेल, पेरमा और पुजारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अमले के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन और सुपरवाइजरों ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

खबर संक्षेप

रसायनज्ञ भर्ती परीक्षा के लिए कलेक्टर ने नियुक्त किए पर्यवेक्षक

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित की जाने वाली छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के रसायनज्ञ भर्ती परीक्षा के लिए जिला प्रशासन बस्तर ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। आगामी रविवार 11 जनवरी को आयोजित होने वाली इस परीक्षा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर हरिस एस. ने पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। यह परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक निर्धारित की गई है। उक्त परीक्षा के सफल क्रियान्वयन के लिए शहर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों को केंद्र बनाया गया है और वहां अधिकारियों की तैनाती की गई है। जारी आदेश के अनुसार शासकीय दन्तेश्वरी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के उप अभियंता आशीष दुबे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल क्रमांक-1 की जिम्मेदारी आबकारी उप निरीक्षक मुकेश कुमार कोरी को सौंपी गई है। प्रशासन ने परीक्षा की गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए हैं। नियुक्त पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे परीक्षा के एक दिन पूर्व ही अपने आवंटित केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें।

436 डबरियों के निर्माण का लक्ष्य, 255 डबरियों की मिल चुकी स्वीकृति

जगदलपुर। जिला प्रशासन के महत्वाकांक्षी मोर गांव-मोर पानी महाभियान ने मनरेगा के तहत आजीविका डबरियों के निर्माण से ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली के नए रंग भरने शुरू कर दिए हैं। इस अभियान का मुख्य ध्येय जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत को जल संचय के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। इसी उद्देश्य के साथ चालू वित्तीय वर्ष में कुल 436 डबरियों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 255 डबरियों को स्वीकृति भी मिल चुकी है। जहां कभी पानी की कमी से खेत सूख जाते थे और किसानों के चेहरे मुरझा जाते थे, वहां अब जल संरक्षण की यह पहल उम्मीद की नई किरण लेकर आई है। इन डबरियों से न केवल भू-जल स्तर सुधरेगा, बल्कि खेतों में हरियाली लौटने के साथ ही किसानों के घरों में समृद्धि भी आएगी।

पुर्नवासितों को बस्तर की गौरवशाली परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत की दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

हिंसा का अंधेरा छोड़कर शांति और विकास की 'नुवा बाट' (नई राह) चुनने वाले पुर्नवासितों के लिए मंगलवार का दिन नई उमंग और सकारात्मक अनुभवों से भरा रहा। जिला प्रशासन की एक सराहनीय पहल के तहत शहर स्थित पुनर्वास केंद्र में निवासरत पुर्नवासितों को बस्तर के प्रमुख दर्शनीय, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया गया। इस विशेष भ्रमण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पर्यटन नहीं, बल्कि मुख्यधारा में लौटे इन सदस्यों को भयमुक्त वातावरण का अनुभव कराना, क्षेत्र के विकास कार्यों से जोड़ना और उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से पुनः परिचित कराना रहा।

पुर्नवासितों ने देखा बस्तर का सांस्कृतिक-ऐतिहासिक वैभव

सार्थक और प्रेरणादायी कदम हो रहा साबित

'नुवा बाट' के तहत आयोजित यह भ्रमण कार्यक्रम एक मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पुनर्वास का भी महत्वपूर्ण प्रयास रहा। इससे पुर्नवासितों के मन में यह विश्वास और मजबूत हुआ कि हिंसा छोड़कर समाज के साथ कदमताल करने में ही जीवन की वास्तविक खुशी और उन्नति निहित है। खुली हवा में सांस लेते हुए और बस्तर की बदलती, विकासोन्मुख तस्वीर को अपनी आंखों से देखकर पुर्नवासितों ने महसूस किया कि शांति का मार्ग ही सम्मानजनक और सुरक्षित भविष्य की ओर ले जाता है। प्रशासन का यह प्रयास पुर्नवासितों को समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान दिलाने और उन्हें अपनी माटी, संस्कृति और परंपराओं से पुनः जोड़ने की दिशा में एक सार्थक और प्रेरणादायी कदम साबित हो रहा है।

भ्रमण की शुरुआत बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के दर्शन से हुई। मंदिर में पूजा-अर्चना कर सभी ने अपने उज्ज्वल और शांतिपूर्ण भविष्य की कामना की। इसके पश्चात दलपत सागर और विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के केंद्र 'दशहरा पसरा' का अवलोकन कराया गया, जहाँ उन्हें बस्तर की गौरवशाली परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अगले चरण में सदस्यों ने कलेक्टोरेट का दौरा किया, जहाँ उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था और शासन की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा। दिन का सबसे रोमांचक पड़ाव विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात रहा। प्रकृति के अद्भुत सौंदर्य, गिरते झरनों की गर्जना और खुले वातावरण ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विधायक किरण देव ने दरभा मंडल की 209 छात्राओं को बांटी साइकिल

सरस्वती साइकिल योजना से शिक्षा की राह हुई आसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने कहा कि बेटियों की शिक्षा ही विकसित समाज की मजबूत नींव है। इसी उद्देश्य से

- ग्रामीण बेटियों के भविष्य को गति देने का संकल्प

सरस्वती साइकिल योजना के तहत दरभा मंडल के विभिन्न शासकीय विद्यालयों की 209 छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया। ग्राम छिंदबहार स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को यह सुविधा प्रदान कर उन्हें नियमित अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

देव ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में बेटियों को स्कूल आने-जाने में कोई कठिनाई न हो,इसके लिए राज्य सरकार सतत प्रयास कर रही है। साइकिल केवल एक साधन नहीं, बल्कि शिक्षा तक पहुंच का मजबूत माध्यम है। उन्होंने छात्राओं से लक्ष्य निर्धारित कर रुचि के विषयों में मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि बेटियां पढ़ेंगी तो विकास गढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा,स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में प्रदेश का समग्र विकास किया जा रहा है। जगदलपुर विधानसभा के सभी स्कूलों को व्यवस्थित, संसाधन-संपन्न और बेहतर बनाया जाएगा। शिक्षा के क्षेत्र में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं।

ये रहे मौजूद

इस दौरान जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे, जनपद अध्यक्ष (दरभा) मानकदई कश्यप, जिला पंचायत सदस्य संपत्ति नाग, मंडल अध्यक्ष देवीप्रसाद बेंजाम, जनपद सदस्य कमलू राम कवासी, जनपद सीईओ विपिन दुबे, जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल, बीईओ जगदीश पात्र सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

विद्यालयवार साइकिल वितरण

दरभा मंडल अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेगानार (35), मावलीपदर (15), छिंदबहार (34), तीरथगढ़ (11), कोलेंग (8), सेजस दरभा (46) एवं सेजस चिंगपाल (60) कुल 209 छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल वितरण किया गया।

बासनवाही केंद्र में जगह की कमी से धान खरीदी बंद होने की नौबत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बासनवाही

सरकारी खरीदी केंद्रों से धान का समय पर उठाव नहीं होने के कारण केंद्रों में भारी मात्रा में धान जमा हो

- किसान हो रहे परेशान, परिवहन की मांग

गया है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि गोदामों के साथ-साथ खुले परिसरों में भी रखने की जगह लगभग भर चुकी है। यदि शीघ्र ही धान का परिवहन नहीं कराया गया, तो खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह ठप होने की आशंका जताई जा रही है। खरीदी केंद्र की स्थिति को देखकर किसान भी परेशान हो रहे है।

बासनवाही खरीदी केंद्र में कुल 856 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से अब तक 536 किसान अपनी फसल बेच चुके हैं, जबकि 320 किसान अभी शेष हैं। केंद्र को इस सीजन में 60 हजार क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य मिला है, लेकिन अब तक केवल 32845.20 क्विंटल धान की ही खरीदी हो सकी है। शेष धान की खरीदी तब तक संभव नहीं हो पाएगी, जब तक पहले से संग्रहित धान का उठाव नहीं हो रहा है। केंद्र प्रभारियों का कहना है कि धान उठाव की समस्या को लेकर बार-बार उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा रहा है, लेकिन परिवहन व्यवस्था सुचारु नहीं हो पा रही है। ट्रकों और अन्य संसाधनों की कमी के कारण धान लंबे समय से केंद्रों में जमा पड़ा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द धान का उठाव कराया जाए, ताकि खरीदी व्यवस्था नियमित रूप से संचालित हो सके।

किसानों का कहना है कि यदि उठाव की गति में तेजी नहीं लाई गई तो बड़ी संख्या में किसानों का धान बिक नहीं पाएगा, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कितनी जल्दी संज्ञान लेकर धान उठाव की व्यवस्था दुरुस्त करता है, ताकि किसानों को राहत मिल सके और खरीदी कार्य बाधित न हो।

हैदराबाद ने राजमेंद्री को हराकर बना विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोंटा

कोंटा स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित स्व.कुमार लक्ष्मी नारायण स्मृति अखिल भारतीय क्रिकेट स्पर्धा का फाइनल मैच हैदराबाद व राजमेंद्री के मध्य हुआ।

- फाइनल मैच में पहुंचे मंत्री, सांसद और विधायक

पहले बल्लेबाजी करते हुए राजमेंद्री की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 110 बनाये। इसका जवाब देते हुए 12 ओवरों में हैदराबाद ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य को प्राप्त किया । इस प्रकार हैदराबाद ने जीत दर्ज की। इस समापन समारोह में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप ने पुरस्कार वितरण किया। विजेता हैदराबाद भी टीम को ट्रॉफी और एक लाख रुपये तथा उप विजेता को पच्चास हजार प्रदाय किया गया। मैन ऑफ द सीरीज हैदराबाद के हिमाकर को दस हजार विश्वराज सिंह चौहान द्वारा, बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार पांच हजार रुपये जी साई रेड्डी द्वारा, बेस्ट बालर का पुरस्कार सुरेश गणेश को पुल्ली राजू के द्वारा, बेस्ट फील्डर 5 हजार अमितेश सिंह के द्वारा प्रदान किया गया। कोन्टा स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष बी. उमा रेड्डी ने सहयोग करने वालों का आभार व्यक्त किया।

बस्तर का देशज ज्ञान नेचुरल साइंस जितना ही अमूल्य : डॉ. लिडिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हैब लिडिया गूजी ने कहा कि

- विविध जनजातीय समाज भारत की बड़ी ताकत
- प्रकृति और जनजीवन के सहअस्तित्व का जीवंत उदाहरण

नेचुरल साइंस की तरह बस्तर का देशज ज्ञान भी अत्यंत अमूल्य है। बस्तर के नृत्य, गायन, कला और परंपराओं में अद्भुत विविधता देखने को मिलती है और यहां की जनजातीय संस्कृति वास्तव में गर्व करने योग्य है। उन्होंने कहा कि भारत में विविध जनजातीय समाज का होना देश के लिए सौभाग्य की बात है।

वे सोमवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला में आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। अपने 15 वर्षों के शोध अनुभव साझा करते हुए डॉ लिडिया ने कहा कि बस्तर के जनजातीय जीवन और प्राकृतिक पर्यावरण के बीच गहरा सहअस्तित्व है।

यहां जनजातीय समाज में पर्यावरण संरक्षण जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है,जहां विविधता के

साथ-साथ सामाजिक एकता भी दिखाई देती है। डॉ. लिडिया ने कहा कि औद्योगिक विकास आवश्यक है, लेकिन विकास के साथ मानवीय मूल्यों और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। बस्तर का समाज शांतिपूर्ण जीवन, सामूहिकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

इस अवसर पर इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक की प्रो रंजू हाषिनी साहू ने बस्तर की संस्कृति की विशिष्टताओं और उसमें आ रहे परिवर्तनों पर विचार रखे। वहीं एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जगदलपुर इकाई के निदेशक डॉ पीयूष रंजन साहू ने बस्तर की संस्कृति पर प्रभावी लेखन की आवश्यकता बताते हुए कहा कि यहां की गोत्र व्यवस्था पारिस्थितिकी से जुड़ी हुई है, जो प्रकृति और संस्कृति के सुंदर समन्वय को दर्शाती है। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष (मानव विज्ञान) प्रो स्वपन कुमार कोले ने दिया,जबकि आभार प्रदर्शन सह प्राध्यापक डॉ सुकृता तिर्की ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गायत्री सोनी ने किया। व्याख्यान में एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक डॉ सुबेंदु पात्रा, ग्रीस से आए शोधार्थी निकोलस पेपेंड्रयू,अतिथि व्याख्याता डॉ सोहन कुमार मिश्रा,डॉ शारदा देवांगन सहित शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान के प्रमुख बिंदु

बस्तर का जनजातीय समाज प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का उदाहरण है,जहां पर्यावरण संरक्षण,सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विविधता साथ-साथ विकसित हुई है।औद्योगिक विकास आवश्यक है,लेकिन मानवीय संवेदनाओं और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण के साथ संतुलित विकास ही भविष्य का मार्ग है।

कोपागुड़ा बुरडिंग सेंटर बना महिला आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार

जगदलपुर। बस्तर जिले में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाने की दिशा में एक और सराहनीय पहल सामने आई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी रोशनी महिला संकुल संगठन माड़पाल के अंतर्गत एकीकृत कृषि क्लस्टर योजना के तहत संचालित इस बुडिंग सेंटर से सोमवार को तीसरे बैच के चूजों का विधिवत विक्रय किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से 'असील' नस्ल के चूजों का वितरण किया गया, जो स्थानीय जलवायु के अनुकूल होने के साथ-साथ अपनी बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं। इस पहल के तहत कुल 18 दीदियों को चूजे प्रदान किए गए, जिससे वे अपने घर से ही मुर्गी पालन का व्यवसाय शुरू कर सकेंगी। इससे न केवल उनकी पारिवारिक आय में वृद्धि होगी, बल्कि गांव स्तर पर आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे।

तेतरकुटी में श्रद्धा और सामाजिक एकता के साथ मनाई गई माता राजिम जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

तेतरकुटी क्षेत्र में साहू समाज द्वारा तेली साहू समाज की आराध्य माता राजिम की जयंती श्रद्धा,उल्लास और सामाजिक समरसता के वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एकजुट होकर माता राजिम के आदर्शों,त्याग और समाजोत्थान में उनके योगदान को स्मरण किया। आयोजन में बड़ी

संख्या में सामाजिक जनों की सहभागिता ने कार्यक्रम को गरिमामय स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भक्तमाता कर्मा एवं माता राजिम के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात माता कर्मा की आरती संपन्न हुई,वहीं माता राजिम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके संघर्ष, तपस्या और समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्यों को विस्तार से रेखांकित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि माता राजिम का जीवन आज भी समाज को प्रेरणा देता है और नई पीढ़ी को संस्कार एवं एकजुटता का संदेश देता है।

आरडी बर्मन के गीतों पर सजी संगीतमय शाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर में मंगलवार संध्या संगीत प्रेमियों के लिए यादगार बन गई, जब आरडी बर्मन के सदाबहार गीतों पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिव भैरव

- शिव भैरव सेवा समिति व तरंग म्यूजिकल ग्रुप की प्रस्तुति
- शहर के कलाकारों ने बांधा समां, देर रात तक गूंजे सदाबहार गीत

सेवा समिति एवं तरंग म्यूजिकल ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस संगीतमय संध्या में शहर के जाने-माने कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई, जिसके पश्चात मां शारदा के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर आयोजन का शुभारंभ किया गया। मंच से प्रस्तुत हर गीत ने आरडी बर्मन की संगीत विरासत को जीवंत कर दिया। श्रोताओं ने कलाकारों की गायकी की मुक्तकंठ से सराहना की और तालियों की गूंज से पूरा परिसर संगीतमय हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों को स्मृति-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन की परिकल्पना और सफल संचालन ने यह सिद्ध कर दिया कि जगदलपुर की सांस्कृतिक भूमि आज भी उत्कृष्ट संगीत कार्यक्रमों के लिए पूरी तरह सक्षम है। नगर पालिका अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन, दिनेश पाणिग्रही, निर्मल पाणिग्रही, मथुरा प्रसाद तिवारी, राजेश श्रीवास्तव एवं सुमित महापात्र कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अफजल अली, दीपक वाधवानी, विश्वजीत साहा, बलराज शर्मा, राजेश सिंह, एमबी मंजूषा, गौरी दत्ता, अरुण सरकार और संजय तिवारी ने अपनी सशक्त गायकी से आरडी बर्मन के गीतों को जीवंत कर दिया, वहीं शिव भैरव सेवा समिति के संस्थापक असीम दास की परिकल्पना ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।